Dr. Sunil Kr. Suman
Assistant Professor (Guest)
Dept. of Psychology
D.B. College Jaynagar
L.N.M.U. Darbhanga

Study Material
B.A. Part-II (H)
Paper-III
Date-24-9-20
20-Next class

Models of Psychology

Pathologies of Everyday Life
दैनिक जीवन में मनोविकृतियाँ

(2) पहचानने की भूल (Mistake in Recognition):- हमारे दैनिक जीवन में पहचानने की भूल भी एक महत्वपूर्ण भूल है। ऐसी भूलें किसी वस्तु, स्थान तथा व्यक्ति को पहचानने से संबंधित होती हैं। अक्सर देखा है की हम किसी अपरिचित व्यक्ति को परिचित व्यक्ति समझकर देखते हैं तथा किसी परिचित व्यक्ति या वस्तु के अरियत रहने पर भी हम देख नहीं पाते हैं। पहचानने की इस दोनों तरह की भूलें अधिक सामान्य है और इनके द्वारा व्यक्ति के अचेतन मन में संचित दमित इच्छाओं के बारे में हमें संकेत मिलता है। फ्रायड के अनुसार जब कोई व्यक्ति अपने मित्र या प्रेमपात्र को देखना चाहता है तो वह अपरिचित व्यक्ति को ही अपना मित्र या प्रेम पात्र समझ बैठता है। इस प्रकार की भूल द्वारा व्यक्ति अपने मित्र या प्रेमपात्र से मिलने की अचेतन इच्छा की संतुष्टि कर लेता है। इस तरह से कभी कभी ऐसा होता है कि व्यक्ति या वस्तु के अरियत होने पर भी हम देख नहीं पाते हैं। फ्रायड के अनुसार ऐसा इसलिए होता है क्योंकि अचेतन में उस व्यक्ति या

P.T.O

वस्तु के प्रति घृणा होती है। इसी तरह समाचार-पत्र में किसी समाचार को रहते हुए उसे नहीं देखना तथा अपनी बगल से किसी परिचित मित्र को झुकते हुए न देखना आदि कुछ ऐसे पहचानने की भूलें हैं, जिनके पीछे, कोई न कोई अचेतन की दमित इच्छाएं सक्रिय होती हैं।

~~He~~ Next class